भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में सरीसृप गणना

स्रोत: डाउन टू अर्थ

भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान (BNP) में **सरीसृप की वार्षिक गणना** की गई जिसके अनुसार वर्ष 2025 में BNP में लवणीय जल मगरमच्छों की **संख्या 1,826** है, जिनमें **18 एल्बिनो मगरमच्छ (दुर्लभ सफेद मगरमच्छ)** शामिल हैं।

नोट: यह गणना **टाइमस्टैम्प कैमरा ऐप** की सहायता से **समय वॉटरमार्क** और **GPS** के साथ वीडियो रिकॉर्ड कर की गई थी, जिससे सटीकता में सुधार हुआ और मानवीय त्रुटि की संभावना न्यूनतम हुई।

मगरमच्छ संरक्षण परियोजना क्या है?

- **परिचय:** इस परियोजना का शुभारंभ **वर्ष 1975 में ओडिशा के भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान** में मगरमच्छों की तीन लुप्तप्राय प्रजातियों, **मगर**, **घड़ियाल और लवणीय जल मगरमच्छ** की समष्टि की रक्षा और संरक्षण के उद्देश्य से किया गया था।
- **लक्ष्य:** इसकी शुरुआत इनकी संख्या में वृद्धि किये जाने के उद्देश्य से की गई थी जिसका लक्ष्य **प्रति किलोमीटर जल क्षेत्र में 5 से 6 मगरमच्छ की उपस्थिति** सुनिश्चित करना था।
- **उद्देश्य:**
  - **संरक्षण: अभयारण्यों** का निर्माण कर मगरमच्छों की शेष समष्टि को उनके **प्राकृतिक पर्यवासों में संरक्षित करना**।
  - **संख्या में पुनः वृद्धि: अंड एकत्रण, ऊष्मायन, पालन, अवमुक्त** किये जाने और **निगरानी के माध्यम से 'ग्रो एंड रिलीज़'** अथवा **'रियर एंड रिलीज़'** दृष्टिकोण पर कार्य किया गया।
  - **कार्मिक प्रशिक्षण:** परियोजना स्थलों और **केंद्रीय मगरमच्छ प्रजनन एवं प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद में कार्मिकों को प्रशिक्षण देना**।
- **कार्यान्वयन:** यह परियोजना संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) की सहायता से शुरू की गई थी।
  - लवणीय जल मगरमच्छों के लिये **भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान (ओडिशा)**।
  - घड़ियालों के लिये **राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य** (मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में विस्तृत)।
  - महत्त्वपूर्ण मगरमच्छ संरक्षण अभयारण्य निम्नवत हैं:
- **उपलब्धि: वर्ष 1975** में **मगरमच्छ संरक्षण परियोजना** के शुभारंभ के बाद से, लवणीय जल मगरमच्छों की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई है।
  - पार्क में मगरमच्छ संप्रजनन कार्यक्रम को **समष्टि संतृप्ति** के कारण **वर्ष 2024 में रोक दिया गया था**, लेकिन अभी भी वार्षिक रूप से अंड एकत्र किये जाते हैं और **पर्यटन संबंधी प्रयोजनों हेतु इनका जनन किया जाता है।**

//

भारत में मगरमच्छ की प्रजातियाँ

भारत में मगरमच्छ की तीन विविध प्रजातियाँ पाई जाती हैं - मगर, खारे पानी का मगरमच्छ, और घड़ियाल- देश भर में अलग-अलग आवासों में पाए जाते हैं।

दृष्टिकोण	घड़ियाल	मगर /भारतीय मगरमच्छ	खारे पानी का मगरमच्छ
वैज्ञानिक नाम	गेवियलिस गैंगेटिकस	क्रोकोडायलस पलुस्ट्रिस	क्रोकोडायलस पोरोसस
वितरण: भारत	**बहुल आबादी:** राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य (उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश) **आबादी:** सोन, गंडक, हुगली, घाघरा और सतकोसिया वन्य जीव अभयारण्य (ओडिशा)	संपूर्ण भारत में	पूर्वी तट (ओडिशा का भितरकनिका वन्य जीव अभयारण्य, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तट और सुंदरवन)
वितरण: पड़ोस	भूटान और बांग्लादेश की ब्रह्मपुत्र और इरावदी नदी	भूटान और म्यांमार में विलुप्त	पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में
विशेष सुविधा	सभी मगरमच्छों में सबसे लंबा, लंबा और पतले मुँह वाला	अंडे देने वाले, घोंसला बनाने वाले, चौड़े और यू-आकार का मुँह	सबसे अधिक जीवित सरीसृप, नुकीला और V-आकार का मुँह
प्राकृतिक वास	ताज़े जल	ताज़े जल	खारा पानी, खारा और आर्द्रभूमि
IUCN स्थिति	CR	VU	LC
CITES स्थिति	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I
CMS स्थिति	परिशिष्ट I	-	परिशिष्ट II
WPA,1972 स्थिति	अनुसूची I	अनुसूची I	अनुसूची I
संकट	बाँध, प्रदूषण, रेत खनन	आवास नष्ट हो गए हैं	इसका खाल और पर्यावास हानि के लिये शिकार हुआ
सरकारी पहल	■ ओडिशा: महानदी नदी बेसिन में घड़ियाल के संरक्षण के लिये 1000 रुपए का पुरस्कार ■ भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975	■ भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975 ■ मगर संरक्षण कार्यक्रम ■ मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975

विविध तथ्य

- **17 जून:** विश्व मगरमच्छ दिवस
- **वार्षिक सरीसृप जनगणना, 2023:** खारे पानी के मगरमच्छों की संख्या में मामूली वृद्धि **(भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और इसके आस-पास के क्षेत्र)**
- **ओडिशा का केंद्रपाड़ा ज़िला:** भारत का एकमात्र ज़िला जहाँ मगरमच्छ की तीनों प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

Drishti IAS

BNP से संबंधति मुख्य बदिु क्या हैं?

- **ओडिशा** में स्थित BNP **सुंदरबन** के बाद **भारत का दूसरा सबसे बड़ा मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र** है।
  - **रामसर साइट** के रूप में मान्यता प्राप्त यह अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की एक महत्त्वपूर्ण **आर्द्रभूमि** है।
- **पारिस्थितिकी तंत्र: BNP में खाड़ियों और नहरों** की एक शृंखला विद्यमान है, जहाँ **ब्राह्मणी, बैतरणी, धामरा** और **पटसाला** जैसी नदियों का जल पहुँचता है, जिससे एक अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण होता है।
  - **बंगाल की खाड़ी** से इसकी **निकटता के कारण** मृदा में लवण की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे **उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय अंतराज्वारीय वनस्पति** पोषित होता है।
- **प्राणी जात:** यहाँ भारत में **सबसे अधिक लवणीय जल मगरमच्छ** पाए जाते हैं। **अन्य उल्लेखनीय प्रजातियों में जलीय मॉनिटर छिपकली, अजगर** और **लकड़बग्घा शामिल हैं**।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
- **गहिरमाथा बीच:** BNP में स्थित यह बीच **ओलिव रिडले समुद्री कछुओं** का सबसे बड़ा नीडन स्थल है।
- **बागागहाना (बकाशय):** यह **सूरजपुर खाड़ी** के समीप स्थित है और यह असंख्य **पक्षियों का नीडन स्थल** और संगम से पूर्व ये पक्षियाँ **आकाशीय कलाबाजियाँ** करते हैं, जिससे एक मनोरम दृश्य उत्पन्न होता है।

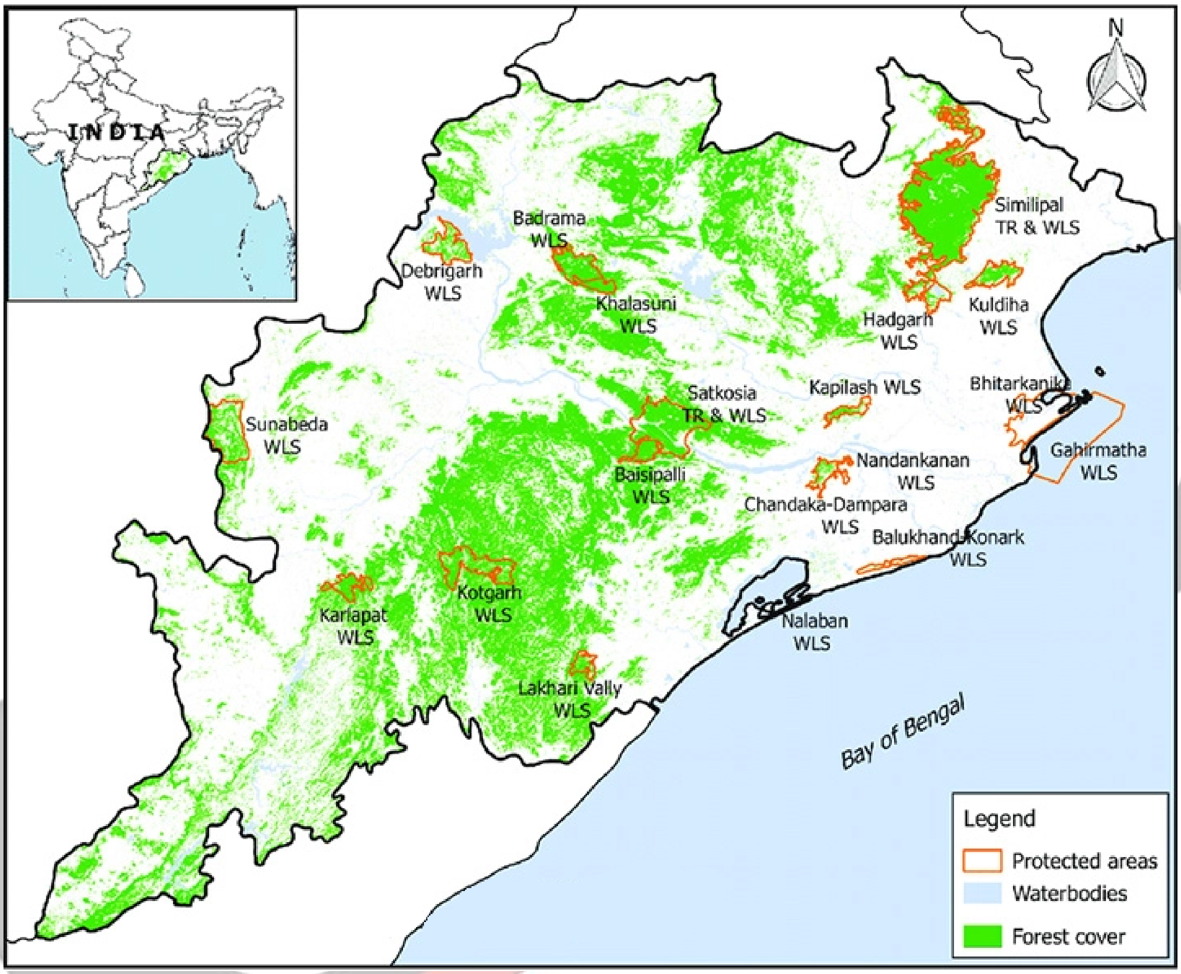

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

□□□□□□□□□□:

प्रश्न. यदि आप घड़ियाल को उनके प्राकृतिक आवास में देखना चाहते हैं, तो निम्नलिखित में से किस स्थान पर जाना सबसे सही है?(2017)

(a) भितरकनिका मैन्ग्रोव
(b) चम्बल नदी
(c) पुलिकट झील
(d) दीपोर बील

उत्तर: (b)

प्रश्न. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2010)

संरक्षित क्षेत्र - के लिये प्रसिद्ध

1. भीतरकनिका, उड़ीसा: खारे पानी का मगरमच्छ
2. डेज़र्ट नेशनल पार्क, राजस्थान: ग्रेट इंडियन बस्टर्ड
3. एरावकुिलम, केरल: हूलॉक गिब्बन

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2
(D) 1, 2 और 3

उत्तर: (B)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/reptile-census-at-bhitarkanika-national-park